महात्मा गांधी

"मेरा जीवन ही मेरा संदेश है"

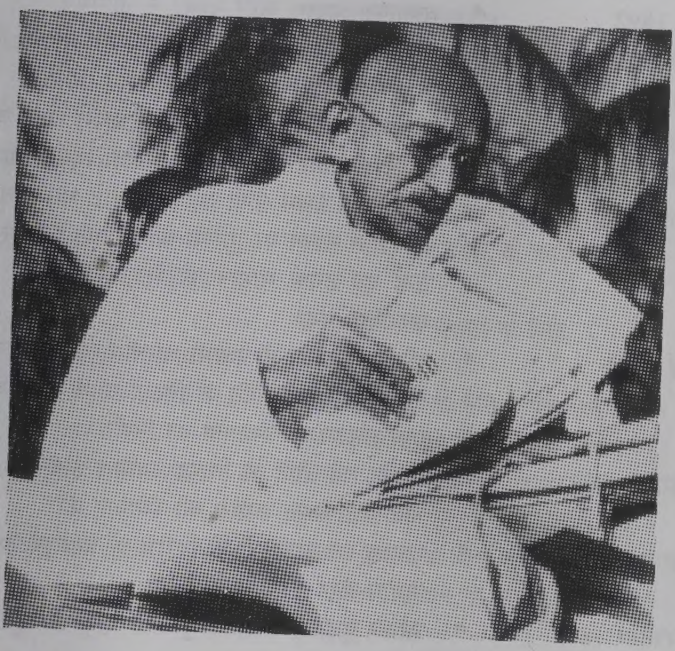

राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय

राजघाट, नई दिल्ली - 110002

फोन : 23310168, 23328310

फैक्स : 91-011-23311793

मेल: gandhimuseumdelhi@gmail.com

mkgandhingm@rediffmail.com

वेब साईट: www.gandhimuseum.org

2 अक्तूबर 1869	• जन्म पोरबन्दर, गुजरात (सुदामापुरी, काठियावाड़
1883	• कस्तूरबा से विवाह
1887	• अहमदाबाद केन्द्र से मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की
4 सितम्बर 1888	• बैरिस्टरी पढ़ने के लिये इंग्लैंड रवाना
12 जनवरी 1891	• बैरिस्टरी की परीक्षा में उत्तीर्ण
10-11 जून 1891	• ब्रिटिश अदालत जाकर उच्च-न्यायालय में नामांक
12 जून 1891	• इंग्लैंड से हिन्दुस्तान के लिए प्रस्थान
6 जुलाई 1891	• हिन्दुस्तान में रायचन्दभाई (श्रीमद् राजचंद्र) से परि जिन्हें बाद में गुरु समान समझा
16 नवम्बर 1891	• बम्बई हाईकोर्ट में दाखिला लिया
24 मई 1892	• वकालत आरम्भ करने बम्बई में आगमन
19 अप्रैल 1893	• पोरबन्दर की एक व्यापारिक फर्म की ओर से बै के रूप में दक्षिण अफ्रीका के लिए प्रस्थान
31मई 1893	• पीटरमारित्सबर्ग रेलवे स्टेशन पर प्रथम श्रेणी के डिब्बे से बाहर निकलने का आदेश दिया गया न उनके पास प्रथम श्रेणी का रेल टिकट था। गांधी आदेश न मानने पर पुलिस कान्सटेबल को बुला उन्हें एवं उनके सामान को रेल के डिब्बे से ब कर दिया गया
22 मई 1894	• दक्षिण अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों के हितों की तथा रंगभेद की नीति के विरुद्ध कार्य करने के एक संगठन की स्थापना का निर्णय
22 अगस्त 1894	• रंगभेद की नीति के विरुद्ध आवाज उठाने के लि नाताल इन्डियन कांग्रेस की स्थापना की
3 सितम्बर 1894	• नाताल लॉ सोसाइटी के विरोध के बावजूद नाता सुप्रीम कोर्ट में दाखिला मिला
17 अक्तूबर 1899	• बोअर युद्ध आरम्भ, हिन्दुस्तानी एम्बुलेंस टुकड स्थापना
18 अक्तूबर 1901	• दक्षिण अफ्रीका से हिन्दुस्तान के लिए प्रस्थान आवश्यकता पड़ने पर दक्षिण अफ्रीका लौटने क आश्वासन
27 दिसम्बर 1901	• कलकत्ता कांग्रेस के अधिवेशन में दक्षिण अफ्री प्रस्ताव पास करवाया
20 नवम्बर 1902	• प्रवासी हिन्दुस्तानियों के आग्रह पर पुन: दक्षिण अ में आगमन
1903	• ट्रांसवाल ब्रिटिश इन्डिया एसोसिएशन की स्था
1 अक्तूबर 1904	• 'इन्डियन ओपीनियन' के प्रबन्ध और प्रकाशन जिम्मेदारी ली
नवम्बर-दिसम्बर, 1904	• दक्षिण अफ्रीका में "फीनिक्स आश्रम" की स
11 सितम्बर 1906	• "पैसिव रजिस्टैन्स आन्दोलन" का आरम्भ अथ "सत्याग्रह" का जन्म; थोरो का निबन्ध पढ़ने पश्चात् गांधीजी ने इस आन्दोलन का नाम सि रजिस्टैन्स आन्दोलन सुझाया और इसे सविनय आन्दोलन भी कहा
13-22 नवम्बर 1909	• लंदन से दक्षिण अफ्रीका की यात्रा में "एस. किल्डोनन कैसल" नामक जहाज में गुजराती 'हिन्द स्वराज' पुस्तक लिखी

9 जनवरी 1915	• दक्षिण अफ्रीका से इंग्लैंड के रास्ते बम्बई, हिन्दुस्तान में आगमन
20 मई 1915	• कोचरब, अहमदाबाद में सत्याग्रह आश्रम की स्थापना
अप्रैल 1917	• चम्पारण में किसानों के लिए सत्याग्रह
1918	• अहमदाबाद में मिल मज़दूरों एवं खेड़ा में किसानों के लिए सत्याग्रह
13 अप्रैल 1919	• जलियांवाला बाग हत्याकांड। गांधीजी ने जनता को शान्त रहने को कहा। गांधीजी के पंजाब प्रवेश पर रोक
7 सितम्बर 1919	• गांधीजी के सम्पादन में 'नवजीवन' का प्रकाशन आरम्भ
8 अक्तूबर 1919	• गांधीजी के सम्पादन में 'यंग इन्डिया' का प्रकाशन आरम्भ
1920-21	• खिलाफत व असहयोग आन्दोलन
5 फरवरी 1922	• चौरी-चौरा की दु:खद घटना और असहयोग आन्दोलन को रोका
10 मार्च 1922	• गिरफ्तारी, 21 मार्च को यरवडा जेल में स्थानांतरण, जहां मार्च 1924 तक रहे
17 सितम्बर 1924	• हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए 21 दिन का उपवास
23 दिसम्बर 1924	• बेलगांव कांग्रेस की अध्यक्षता की
26 दिसम्बर 1928	• कलकत्ता कांग्रेस में उपस्थित। यहां 31 दिसम्बर 1928 को हिन्दुस्तानी संविधान के मसौदे को स्वीकृति दी गई
31 दिसम्बर 1929	• लाहौर कांग्रेस के अधिवेशन में गांधीजी के "पूर्ण स्वराज" के प्रस्ताव पर सबकी सहमति। एसेम्बलियों के बहिष्कार पर भी सबकी स्वीकृति
26 जनवरी 1930	• सारे देश में पूर्ण स्वतंत्रता के लिए प्रतिज्ञा ली गई
19 फरवरी 1930	• आल इन्डिया कांग्रेस समिति द्वारा सविनय अवज्ञा आन्दोलन छेड़ने का निश्चय
12 मार्च 1930	• 78 आश्रमवासियों को लेकर गांधीजी द्वारा अहमदाबाद से (241 मील लंबी) दांडी यात्रा के लिए कूच। 6 अप्रैल को नमक कानून को भंग किया
5 मई 1930	• गिरफ्तारी, यरवडा जेल में रखे गये
26 जनवरी 1931	• जेल से रिहाई
5 मार्च 1931	• गांधी-इर्विन समझौता
29 अगस्त 1931	• गोलमेज कॉन्फ्रेंस में उपस्थित होने के लिए बम्बई से लन्दन के लिए प्रस्थान
28 दिसम्बर 1931	• हिन्दुस्तान आगमन
31 दिसम्बर 1931	• असहयोग आन्दोलन शुरू करने का निर्णय
20 सितम्बर 1932	• हरिजनों के लिए "साम्प्रदायिक निर्णय" में अलग मताधिकार की योजना के विरुद्ध उपवास
8 मई 1933	• हरिजनों की स्थिति में सुधार के लिए 21 दिन का उपवास, रात के 9 बजे जेल से रिहाई
31 जुलाई 1933	• व्यक्तिगत सविनय अवज्ञा आन्दोलन आरम्भ
1 अगस्त 1933	• गिरफ्तारी, 23 अगस्त 1933 तक कारावास में रहे
7 नवम्बर 1933	• हरिजन यात्रा शुरू
17 सितम्बर 1934	• कांग्रेस छोड़ने की घोषणा
29 अक्तूबर 1934	• कांग्रेस से पूरी तरह अलग होने की घोषणा

1914	•	ऐसे ही कारण से चौदह दिन का अनशन

हिन्दुस्तान में

1 जून 1915	•	आश्रम के लड़कों द्वारा असत्य व्यवहार का पता च पर अनशन, भूल मान लेने पर अनशन समाप्त
11 सितम्बर 1915	•	आश्रम के कुछ व्यक्तियों द्वारा एक हरिजन के प्र पर आपत्ति करने के कारण एक दिन का अनशन
15-17 मार्च 1918	•	अहमदाबाद के मिल मजदूरों के वेतन में वृद्धि क के लिए अनशन
6 अप्रैल 1919	•	हिन्दुस्तान भर में "सत्याग्रह दिवस" के अवसर एक दिन का अनशन
13-15 अप्रैल 1919	•	जलियांवाला बाग हत्याकांड तथा बम्बई और अहमदा की अशान्त घटनाओं के लिए 72 घंटे का अनशन
19-21 नवम्बर 1921	•	बम्बई की अशान्त घटनाओं के लिए व्रत लिया
28 नवम्बर 1921	•	हर सोमवार को, जब तक स्वतंत्रता प्राप्त नहीं होत 24 घन्टे का अनशन रखने का व्रत लिया
12-16 फरवरी 1924	•	चौरी-चौरा नर संहार के कारण
17-30 सितम्बर और 1-7 अक्तूबर 1924	•	हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए
24-30 नवम्बर 1925	•	आश्रमवासियों के नैतिक पतन के कारण
22-24 जून 1928	•	एक आश्रमवासी के अनैतिक व्यवहार के कारण
20-25 सितम्बर 1932	•	हरिजनों के लिए अलग साम्प्रदायिक निर्वाचन व्यवस के कारण
22 दिसम्बर 1932	•	सरकार द्वारा एक कैदी को शौचालय की सफाई क पर प्रतिबंध लगाने के फलस्वरूप विरोध प्रकट कर के लिए
8-28 मई 1933	•	आत्मशुद्धि के लिए
16-22 अगस्त 1933	•	हरिजन कल्याण के कार्य पर प्रतिबंध लगाने के कार विरोध प्रकट करने हेतु
7-13 अगस्त 1934	•	जब एक समाज सुधारक ने अपने विरोधी पर लाठ से प्रहार किया। यह विरोधी हरिजन उत्थान को पस नहीं करता था
3-6 मार्च 1939	•	राजकोट के महाराज द्वारा वादा खिलाफी करने पर
12-13 नवम्बर 1940	•	आश्रम में छोटी सी चोरी के कारण दो दिन का व्र
5-7 मई 1941	•	अहमदाबाद में साम्प्रदायिक दंगे होने के कारण
29 जून 1941	•	साम्प्रदायिक एकता के लिए
10 फरवरी-2 मार्च 1943	•	सरकार के इस प्रचार पर कि 1942 के "हिन्द छोड़ो" आन्दोलन के कारण जो हिंसा हुई उसके लिए कांग्रेस जिम्मेदार है
30 नवम्बर 1944	•	एक या अधिक दिनों तक व्रत करने की इच्छा, ऐस इच्छा का कारण ज्ञात नहीं हो सका
20-23(?) अक्तू. 1946	•	संभवत: किसी व्यक्ति के द्वारा उस पत्र में गलती स लिखा गया जिस पत्र का सम्बन्ध मुस्लिम लीग से वार्ता के संदर्भ में था

15 अगस्त 1947	• हिन्दुस्तान के बंटवारे के विरोध में
1-3 सितम्बर 1947	• साम्प्रदायिक एकता के लिए
11 अक्तूबर 1947	• विक्रम संवत् के अनुसार जन्म दिन। उस दिन व्रत रखा
13-17 जनवरी 1948	• साम्प्रदायिक एकता के लिये व्रत रखा

गांधीजी की जेल यात्राएं

दक्षिण अफ्रीका में	
10-30 जनवरी 1908	• पंजीकरण न करने तथा नाताल न छोड़ने के लिए दो महीने की साधारण कारावास की सज़ा
7-12 अक्तूबर 1908	• नाताल से लौटने पर पंजीकरण पत्र जो उन्होंने जला दिया था, न दिखाने पर कठोर कारावास
25 फरवरी 1909	• गिरफ्तारी, ट्रांसवाल में तीन महीने की सज़ा, कारण पंजीकरण पत्र नहीं था
6 नवम्बर 1913	• पामफोर्ड में "विशाल पदयात्रा" के बाद गिरफ्तारी, 7 तारीख को कैलनबाक की जमानत पर रिहा
8 नवम्बर 1913	• पुनः गिरफ्तारी और जमानत पर रिहा
9 नवम्बर 1913	• गिरफ्तारी तथा 9 महीने के कारावास का दंड। फोक्सरस्ट में और तीन महीने की सजा, परन्तु 18 दिसम्बर 1913 को अचानक रिहाई
हिन्दुस्तान में	
16 अप्रैल 1917	• चम्पारण की यात्रा में जिला छोड़ने का आदेश दिया गया
10-11 अप्रैल 1919	• पलवल में अमृतसर जाते हुए गिरफ्तार किए गए और बम्बई ले जाकर 11 अप्रैल को छोड़ दिए गए
10 मार्च 1922-5 फरवरी 1924	• 'यंग इन्डिया' में तीन लेखों के कारण गिरफ्तार किए गए। छः साल की सज़ा। 5 फरवरी 1924 को बिना शर्त यरवडा जेल से रिहा किए गए
मार्च 1929	• कलकता में विदेशी कपड़ों की होली जलाने पर गिरफ्तारी और रिहाई
मई 1930	• प्रातः 00:45 बजे नमक सत्याग्रह के दौरान कराडी में गिरफ्तारी, 26 जनवरी 1931 को बिना शर्त रिहाई
जनवरी 1932	• बम्बई में प्रातः तीन बजे गिरफ्तारी, यरवडा जेल ले जाए गए। 8 मई 1933 को उपवास आरंभ किया, उसी दिन शाम के छः बजे रिहा किए गए
अगस्त 1933	• गिरफ्तार किए गए। 4 अगस्त को प्रातः 9 बजे रिहा किए गए, सरकार ने शर्त रखी कि प्रातः 9:30 बजे तक यरवडा की सीमा से बाहर हो जाएं। गांधीजी ने शर्त मानने से इनकार किया। इसलिए प्रातः 9:50 बजे पुनः गिरफ्तार किए गए और एक वर्ष के कारावास का दंड दिया गया। 16 अगस्त को अनशन आरम्भ किया और 23 अगस्त को स्वास्थ्य खराब होने के कारण बिना शर्त रिहा कर दिया गया
अगस्त 1942	• "हिन्दुस्तान सुरक्षा कानून" के अन्तर्गत गिरफ्तार किए गए। गिरफ्तारी का कारण "हिन्द छोड़ो" प्रस्ताव था। आगा खां महल, पूना में गांधीजी को नजरबंद रखा गया। 6 मई 1944 को प्रातः 6 बजे रिहाई

1914	• ऐसे ही कारण से चौदह दिन का अनशन
हिन्दुस्तान में	
1 जून 1915	• आश्रम के लड़कों द्वारा असत्य व्यवहार का पता चलने पर अनशन, भूल मान लेने पर अनशन समाप्त
11 सितम्बर 1915	• आश्रम के कुछ व्यक्तियों द्वारा एक हरिजन के प्रवेश पर आपत्ति करने के कारण एक दिन का अनशन
15-17 मार्च 1918	• अहमदाबाद के मिल मजदूरों के वेतन में वृद्धि करने के लिए अनशन
6 अप्रैल 1919	• हिन्दुस्तान भर में "सत्याग्रह दिवस" के अवसर पर एक दिन का अनशन
13-15 अप्रैल 1919	• जलियांवाला बाग हत्याकांड तथा बम्बई और अहमदाबाद की अशान्त घटनाओं के लिए 72 घंटे का अनशन
19-21 नवम्बर 1921	• बम्बई की अशान्त घटनाओं के लिए व्रत लिया
8 नवम्बर 1921	• हर सोमवार को, जब तक स्वतंत्रता प्राप्त नहीं होती, 24 घन्टे का अनशन रखने का व्रत लिया
12-16 फरवरी 1924	• चौरी-चौरा नर संहार के कारण
7-30 सितम्बर और	• हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए
-7 अक्तूबर 1924	
4-30 नवम्बर 1925	• आश्रमवासियों के नैतिक पतन के कारण
2-24 जून 1928	• एक आश्रमवासी के अनैतिक व्यवहार के कारण
-25 सितम्बर 1932	• हरिजनों के लिए अलग साम्प्रदायिक निर्वाचन व्यवस्था के कारण
दिसम्बर 1932	• सरकार द्वारा एक कैदी को शौचालय की सफाई करने पर प्रतिबंध लगाने के फलस्वरूप विरोध प्रकट करने के लिए
28 मई 1933	• आत्मशुद्धि के लिए
-22 अगस्त 1933	• हरिजन कल्याण के कार्य पर प्रतिबंध लगाने के कारण विरोध प्रकट करने हेतु
3 अगस्त 1934	• जब एक समाज सुधारक ने अपने विरोधी पर लाठी से प्रहार किया। यह विरोधी हरिजन उत्थान को पसंद नहीं करता था
मार्च 1939	• राजकोट के महाराज द्वारा वादा खिलाफी करने पर
13 नवम्बर 1940	• आश्रम में छोटी सी चोरी के कारण दो दिन का व्रत
मई 1941	• अहमदाबाद में साम्प्रदायिक दंगे होने के कारण
ून 1941	• साम्प्रदायिक एकता के लिए
रवरी- र्च 1943	• सरकार के इस प्रचार पर कि 1942 के "हिन्द छोड़ो" आन्दोलन के कारण जो हिंसा हुई उसके लिए कांग्रेस जिम्मेदार है
म्बर 1944	• एक या अधिक दिनों तक व्रत करने की इच्छा, ऐसी इच्छा का कारण ज्ञात नहीं हो सका
3(?) अक्तू. 1946	• संभवत: किसी व्यक्ति के द्वारा उस पत्र में गलती से लिखा गया जिस पत्र का सम्बन्ध मुस्लिम लीग से वार्ता के संदर्भ में था